चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	16.4.23	4	1-2

एच.ए.यू. में कृषि अधिकारी कार्यशाला की कार्यवाही रिपोर्ट हुई विमोचित

हिसार, 15 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ 2023) की कार्यवाही रिपोर्ट का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज द्वारा विमोचन किया गया। कार्यशाला में खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व उनको बीमारियों से बचाने संबंधी नई शोध व किसानों की समस्याओं पर कृषि अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों व विस्तार शिक्षा विशेषज्ञों ने गहन मंथन किया था।

इसके अलावा विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज को बढ़ावा देने और किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने का आह्वान किया, साथ ही 7 नई कृषि सिफारिशें भी पारित की गईं। इस कार्यशाला में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा आई.ए.एस. व महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ आईएएस भी मौजूद रहे।

इस कार्यवाही रिपोर्ट को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के संरक्षण व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल के मार्गदर्शन में डॉ. सुबेसिंह, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. सुनील ढांडा व डॉ. अश्विनी कुमार ने तैयार किया है। कुलपति ने बताया कि कार्यवाही रिपोर्ट की कॉपी हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण अधिकारियों को भेज दी गई है, ताकि नई सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाकर आगामी खरीफ सीजन में लागू करवाया जा सके व फसलों की अच्छी पैदावार ली जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	16.4.23	9	5-8

देश की मजबूती के लिए सामाजिक एकता आवश्यक

■ अंबेडकर ने समाज को एक सूत्र में पिरोया : प्रो. कंबोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य वक्ता डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री।

समाज के उत्थान में डॉ. भीम राव अंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान रहा है। समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर कर प्रबुद्ध भारत का निर्माण चाहने वाले डॉ. भीम राव अंबेडकर समाज को समरस्ता के सूत्र में पिरोकर उसे संगठित और सशक्त बनाना चाहते थे। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में स्थापित डॉ. बी. आर. अंबेडकर चेयर द्वारा भारत रत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कही। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उपाध्यक्षडॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री व देवेंद्र कुमार मौजूद रहे। समाजिक सुधार के लिए युवाओं को सही मार्ग पर लाने के लिए शिक्षा का अहम योगदान है ताकि हम इतिहास से जुड़ी गलत धारणाओं को दूर कर समाज को सही दिशा में ले जा सकें। डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि अंबेडकर का समाज सुधार एवं देश को अग्रसर करने में अहम योगदान है। भारत राष्ट्र निर्माण, सेंट्रल सिंचाई आयोग, मतदान का अधिकार, महिलाओं के अधिकार, जल संरक्षण और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वे वास्तव में एक लोकप्रिय भारतीय विधिवेत्ता, चिंतक, विचारक, समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, दर्शनशास्त्री, प्रतिभाशाली एवं जुझारू लेखक थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	16.4.23	6	3-5

समाज का एकजुट रहना जरूरी : कांबोज

एचएयू में भारत रत्न डॉ. भीम राव आंबेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में हुई संगोष्ठी

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू में संगोष्ठी में संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संवाद

हिसार। समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर कर प्रबुद्ध भारत का निर्माण चाहने वाले डॉ. भीम राव आंबेडकर समाज को समरसता के सूत्र में पिरोकर उसे संगठित और सशक्त बनाना चाहते थे। भारत विश्व में एक बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। इस स्थान पर बने रहने के लिए जाति व धर्म से ऊपर उठकर इकट्ठा रहना बहुत आवश्यक है।

ये विचार एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में स्थापित डॉ. बीआर आंबेडकर चेयर द्वारा डॉ. आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। इस संगोष्ठी का मुख्य विषय सामाजिक सुधारों में डॉ. भीमराव आंबेडकर की भूमिका रहा। मुख्य अतिथि ने कहा कि समाज में सुधार लाने और युवाओं को सही मार्ग पर लाने में शिक्षा का अहम योगदान है ताकि हम समाज को सही दिशा में ले जा सकें।

मुख्य वक्ता हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश के पूर्व कुलपति डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने राष्ट्र निर्माण, सेंट्रल सिंचाई आयोग, मतदान का अधिकार, महिलाओं के अधिकार, जल संरक्षण और अर्थव्यवस्था जैसे विषयों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विशिष्ट अतिथि सप्त सिंधु डॉ. भीमराव आंबेडकर अध्ययन केंद्र, चंडीगढ़ के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार, डॉ. भीम राव आंबेडकर चेयर के अध्यक्ष एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष एवं चेयर के सचिव डॉ. बलवान सिंह ने भी अपने विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	16-4-23	4	4-6

देश को शक्तिशाली बनाने के लिए समाज का एकजुट रहना जरूरी : प्रो. काम्बोज

» युवाओं को सही मार्ग पर लाने के लिए शिक्षा का अहम योगदान

संगोष्ठी में संबोधित करते हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हिसार, 15 अप्रैल (ब्यूरो): समाज के उत्थान में डॉ. भीम राव आंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान रहा है। समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर कर प्रबुद्ध भारत का निर्माण चाहने वाले डॉ. भीम राव अंबेडकर समाज को समरस्ता के सूत्र में पिरोकर उसे संगठित और सशक्त बनाना चाहते थे।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में स्थापित डॉ. बी.आर. आंबेडकर चेयर द्वारा भारत रत्न डॉ. भीम राव आंबेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि के रूप में व्यक्त किए।

इस संगोष्ठी का मुख्य विषय सामाजिक सुधारों में डॉ. भीमराव आंबेडकर की भूमिका रहा। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उपाध्यक्ष एवं हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, कांगड़ा के पूर्व कुलपति डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री उपस्थित हुए, जबकि विशिष्ट अतिथि सप्त सिंधु डॉ. भीमराव आंबेडकर अध्ययन केंद्र, चंडीगढ़ के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मौजूद रहे।

मुख्यातिथि ने बताया कि समाज में सुधार लाने और युवाओं को सही मार्ग पर लाने के लिए शिक्षा का अहम योगदान है, ताकि हम इतिहास से जुड़ी गलत धारणाओं को दूर कर समाज को सही दिशा में ले जा सकें।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि भारत विश्व में एक बड़ी शक्ति के रूप में ऊभर रहा है। इसे इस स्थान पर बनाए रखने के लिए जाति व धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी देशवासियों का इकट्ठा होकर रहना बहुत आवश्यक है।

डॉ. भीम राव आंबेडकर की सोच भी यही थी कि समाज एकजुट रहे। मुख्य वक्ता डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने बताया कि वर्तमान समय में डॉ. भीम राव अंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ी है।

उन्होंने बाबा साहेब से जुड़े जीवनी के प्रसंगों की चर्चा की और उनसे मिली सीख को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इतिहास में विदेशी ताकतों से बार-बार हारने का कारण हमारा जातियों में बंटा हुआ समाज बताया।

इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, रजिस्ट्रार डॉ. बलवान सिंह मंडल, कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, शिक्षक, गैरशिक्षक कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	16.4.23	4	4

देश को शक्तिशाली बनाने के लिए एकजुट रहना जरूरी : वीसी

सिटी रिपोर्टर • समाज के उत्थान में डॉ. भीम राव अंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान रहा है। समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर कर प्रबुद्ध भारत का निर्माण चाहने वाले डॉ. भीम राव अंबेडकर समाज को समरसता के सूत्र में पिरोकर उसे संगठित और सशक्त बनाना चाहते थे।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में स्थापित डॉ. बी. आर. अंबेडकर चेयर द्वारा भारत रत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि के रूप में व्यक्त किए। संगोष्ठी का मुख्य विषय सामाजिक सुधारों में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रहा। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर पूर्व कुलपति डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री उपस्थित हुए, जबकि विशिष्ट अतिथि सन्त सिंधु डॉ. भीमराव अंबेडकर अध्ययन केंद्र, चंडीगढ़ के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	15.04.2023		

वंचित वर्गों को समाज में सम्मानित स्थान दिलाने में डॉ. भीम राव अंबेडकर का अहम योगदान : प्रो. बी.आर. काम्बोज

सिटीपल्स न्यूज, हिसार। समाज के उत्थान में डॉ. भीम राव अंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान रहा है। समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर कर प्रबुद्ध भारत का निर्माण चाहने वाले डॉ. भीम राव अंबेडकर समाज को समरसता के सूत्र में पिरोकर उसे संगठित और सशक्त बनाना चाहते थे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में स्थापित डॉ. बी. आर. अंबेडकर चेयर द्वारा भारत रत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि के रूप में व्यक्त किए। इस संगोष्ठी का मुख्य विषय सामाजिक सुधारों में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रहा। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उपाध्यक्ष एवं हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, कांगड़ा के पूर्व कुलपति डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री उपस्थित हुए, जबकि विशिष्ट अतिथि सप्त सिंधु डॉ. भीमराव अंबेडकर अध्ययन केंद्र, चंडीगढ़ के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने बताया कि समाज में सुधार लाने और युवाओं को सही मार्ग पर लाने के लिए शिक्षा का अहम योगदान है ताकि हम इतिहास से जुड़ी गलत धारणाओं को दूर कर समाज को सही दिशा में ले जा सकें।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि भारत विश्व में एक बड़ी शक्ति के रूप में ऊभर रहा है। इसे इस स्थान पर बनाए रखने के लिए जाति व धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी देशवासियों का इकठ्ठा होकर रहना बहुत आवश्यक है। डॉ. भीम राव अंबेडकर की सोच भी यही थी कि समाज एकजुट रहे। देश के संविधान का निर्माण भी इन्ही उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया था। उन्होंने बताया कि वंचित और पिछड़े वर्गों को समाज में सम्मानित स्थान दिलाने के लिए भारत रत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर द्वारा किया गया संघर्ष भुलाया नहीं जा सकता। मुख्य वक्ता डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि डॉ. भीम राव अंबेडकर का समाज सुधार एवं देश को अग्रसर करने में अहम योगदान रहा है। इसके अलावा उनका भारत राष्ट्र निर्माण, सेंट्रल सिंचाई आयोग, मतदान का अधिकार, महिलाओं के अधिकार, जल संरक्षण और अर्थव्यवस्था जैसे विषयों में भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वे वास्तव में एक लोकप्रिय भारतीय विधिवेत्ता, चिंतक, विचारक, समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, दर्शनशास्त्री, प्रतिभाशाली एवं जुझारू लेखक और राष्ट्रभक्त थे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा बताए गए सिद्धांतों को पाठ्यक्रम में शामिल करने और उन पर शोध करने की आवश्यकता है ताकि भारत की युवा-पीढ़ी उनके द्वारा बताए गए रास्तों का अनुसरण कर सकें। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में डॉ. भीम राव अंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ी है। उन्होंने बाबा साहेब से जुड़े जीवनी के प्रसंगों की चर्चा की और उनसे मिली सीख को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इतिहास में विदेशी ताकतों से बार-बार हारने का कारण हमारा जातियों में बंटा हुआ समाज बताया। विशिष्ट अतिथि देवेंद्र कुमार ने कहा कि डॉ. भीम राव अंबेडकर ने अछूतों के खिलाफ होने वाली सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया व श्रमिकों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन किया। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री, भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार एवं भारत गणराज्य के निर्माताओं में से एक थे।

उन्होंने भीमराव अंबेडकर की नीतियों से लाभान्वित लोगों को वापिस समाज में योगदान करने व उत्थान करने के लिए जिम्मेदारी का अहसास करवाया। इससे पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष एवं डॉ. भीम राव अंबेडकर चेयर के सचिव डॉ. बलवान सिंह ने स्वागत भाषण में डॉ. अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला, जबकि उक्त चेयर के अध्यक्ष एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	15.04.2023		

देश को शक्तिशाली बनाने के लिए समाज का एकजुट रहना जरूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

■ एचएयू में भारत रत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर की 132वीं जयंती पर संगोष्ठी आयोजित हुई

■ वंचित वर्गों को समाज में सम्मानित स्थान दिलाने में डॉ. भीम राव अंबेडकर का अहम योगदान : प्रो. बी.आर. काम्बोज

प्रवीन कुमार

हिसार। समाज के उत्थान में डॉ. भीम राव अंबेडकर का अविस्मरणीय योगदान रहा है। समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर कर प्रबुद्ध भारत का निर्माण चाहने वाले डॉ. भीम राव अंबेडकर समाज को समरसता के सूत्र में पिरोकर उसे संगठित और सशक्त बनाना चाहते थे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में स्थापित डॉ. बी. आर. अंबेडकर चेयर द्वारा भारत रत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर की 132वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि के रूप में व्यक्त किए।

इस संगोष्ठी का मुख्य विषय सामाजिक सुधारों में डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका रहा। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उपाध्यक्ष एवं हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, कांगड़ा के पूर्व कुलपति डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री उपस्थित हुए, जबकि विशिष्ट अतिथि सत सिंधु डॉ. भीमराव अंबेडकर अध्ययन केंद्र, चंडीगढ़ के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने बताया कि समाज में सुधार लाने और युवाओं को सही मार्ग पर लाने के लिए शिक्षा का अहम योगदान है ताकि हम इतिहास से जुड़ी गलत धारणाओं को दूर कर समाज को सही दिशा में ले जा सकें।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि भारत विश्व में एक बड़ी शक्ति के रूप में ऊभर रहा है। इसे इस स्थान पर बनाए रखने के लिए जाति व धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी देशवासियों का इकट्ठा होकर रहना बहुत आवश्यक है।

डॉ. भीम राव अंबेडकर की सोच भी यही थी कि समाज एकजुट रहे। देश के संविधान का निर्माण भी इन्ही उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया था। उन्होंने बताया कि वंचित और पिछड़े वर्गों को समाज में सम्मानित स्थान दिलाने के लिए भारत रत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर द्वारा किया गया संघर्ष भुलाया नहीं जा सकता।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16-4-23	4	3-5

खरीफ 2023 कृषि अधिकारी कार्यशाला की कार्रवाई रिपोर्ट का विमोचन, सरकार को भेजी जाएगी रिपोर्ट

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ 2023) की कार्यवाही रिपोर्ट का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज द्वारा विमोचन किया गया। कार्यशाला में खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व उनको बीमारियों से बचाने संबंधी नई शोध व किसानों की समस्याओं पर कृषि अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों व विस्तार शिक्षा विशेषज्ञों ने गहन मंथन किया था। इसके अलावा विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज को बढ़ावा देने और किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने का आह्वान किया, साथ ही सात नई कृषि सिफारिशें भी पारित की गई। इस कार्यशाला में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा आईएएस व महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ आईएएस भी मौजूद रहे।

खरीफ 2023 कृषि अधिकारी कार्यशाला की कार्यवाही रिपोर्ट का विमोचन करते कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज व अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	16.4.23	2	6-8

बीटी कपास से अधिक उत्पादन लेने के लिए एनएए व कोबाल्ट क्लोराइड का करें छिड़काव

खरीफ की फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए एचएयू ने जारी किए अपने सुझाव

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ 2023) में फसल उत्पादन में वृद्धि के लिए विशेषज्ञों के सात सुझावों पर चर्चा की गई। बीटी कपास के अधिक उत्पादन के लिए एनएए व कोबाल्ट क्लोराइड के छिड़काव समेत अन्य सभी सुझावों को प्रदेश सरकार को भेजने की बात कही गई। अब सरकार इसे कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के माध्यम से किसानों तक पहुंचाएगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि कार्यशाला में खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व उनको बीमारियों से बचाने संबंधी शोध व किसानों की समस्याओं पर कृषि अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों व विस्तार शिक्षा विशेषज्ञों के बीच गहन मंथन किया गया। कृषि विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज की बिजाई को बढ़ावा देने और किसानों के बीच इसे लोकप्रिय बनाने का उपाय करने की बात कही। कार्यशाला में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे।

हिसार में एडवाइजरी जारी करते एचएयू के कुलपति व अन्य विशेषज्ञ। संवाद

कार्यशाला में खरीफ फसलों पर ये सिफारिशें पारित की गई

- बाजरा की फसल से अच्छी पैदावार के लिए 12 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़, 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति एकड़ व 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट के घोल का छिड़काव बिजाई के बाद 25 से 30 दिन के बीच में एकीकृत प्रयोग सिंचित बिजाई वाले क्षेत्रों के लिए जरूर करें।
- डेयरी प्रणाली को लाभदायक बनाने व वर्ष भर हरे चारे की उपलब्धता के लिए बहुवर्षीय ज्वार की खेती बेहतर विकल्प है। इसकी बीज व जड़ दोनों विधियों से बिजाई की जा सकती है। बहु-वर्षीय ज्वार एक बार लगाने के बाद चार वर्षों तक लगातार हरा चारा देता है, जिसमें 5 कटाई प्रति वर्ष ली जा सकती है।
- धान की शीथ ब्लाइट बीमारी को नियंत्रित करने के लिए 150 एमएल थाइफ्लुजामाइड 24 एससी (इग्लेयर) का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से पहला छिड़काव बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तथा दूसरा छिड़काव 15 दिन बाद करें।
- कपास की फसल में हरा तेला एवं सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए एफिडोपायरोपेन (सेफीना) 50 जी/एल डीसी की 4 मिली लीटर मात्रा (20 ग्राम क्रियाशील तत्व) को 200-250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ में छिड़काव करें।
- बीटी कपास से अधिक उत्पादन लेने के लिए बौकी बनने की अवस्था, अधिकतम फूल बनने की अवस्था एवं टिंडे बनने की अवस्था पर सिंचाई या बारिश से पूर्व एवं बाद (12 घंटे के भीतर) में एनएए की 25 एमएल और कोबाल्ट क्लोराइड की एक ग्राम मात्रा को 100 लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	16.4.23	5	4-8

एचएयू में खरीफ 2023 कृषि अधिकारी कार्यशाला की कार्यवाही रिपोर्ट हुई विमोचित

हिसार, 15 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ 2023) की कार्यवाही रिपोर्ट का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज द्वारा विमोचन किया गया। कार्यशाला में खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व उनको बीमारियों से बचाने संबंधी नई शोध व किसानों की समस्याओं पर कृषि अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों व विस्तार शिक्षा विशेषज्ञों ने गहन मंथन किया था। इसके अलावा विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज को बढ़ावा देने और किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने का आह्वान किया, साथ ही सात नई कृषि सिफारिशें भी पारित की गई। इस कार्यशाला में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा आईएएस व महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ आईएएस भी मौजूद रहे। इस कार्यवाही रिपोर्ट को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के संरक्षण व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल के मार्गदर्शन में डॉ. सूबेसिंह, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. सुनील ढांडा व डॉ. अश्विनी कुमार ने तैयार किया है। कुलपति ने बताया कि कार्यवाही रिपोर्ट की कॉपी हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण अधिकारियों को भेज दी गई है ताकि नई सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाकर आगामी खरीफ सीजन में लागू करवाया जा सकें व फसलों की अच्छी पैदावार ली जा सकें। इस कार्यशाला में खरीफ फसलों पर निम्नलिखित सात सिफारिशें स्वीकृत की गईं। बाजरा फसलें से अच्छी पैदावार लेने के लिए 12 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़ + 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति एकड़ + 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट के घोल का छिड़काव बिजाई के 25 से 30 दिन के बीच में एकीकृत प्रयोग सिंचित बिजाई वाले क्षेत्रों के लिए जरूर करें। डेयरी प्रणाली को लाभदायक बनाने के लिए व वर्ष भर हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बहुवर्षीय ज्वार की खेती एक बेहतर विकल्प है। इसकी बीज व जड़ दोनों विधियों से की जा सकती है। बहु-वर्षीय ज्वार एक बार लगाने के बाद चार वर्षों तक लगातार हरा चारा देती है, जिसमें 5 कटाई प्रति वर्ष ली जा सकती है। धान की शीथ ब्लाइट बीमारी को नियंत्रित करने के लिए 150 मि.ली. थाइफ्लुजामाइड 24 एससी (इलेफर) को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से पहला छिड़काव बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तथा दूसरा छिड़काव 15 दिन बाद करें। कपास की फसल में हरा तेला एवं सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए, एफिडोपायरोपेन (सेफीना) 50 जी/एल डी.सी. की 4.00 मिलीलीटर मात्रा (20 ग्राम क्रियाशील तत्व) को 200-250 लीटर पानी में मिलाकर आर्थिक कगार आने पर प्रति एकड़ छिड़काव करें। बी.टी. कपास से अधिक उत्पादन लेने के लिए बौकी बनने की अवस्था, अधिकतम फूल बनने की अवस्था एवं टिंडे बनने की अवस्था पर सिंचाई या बारिश से पूर्व एवं बाद (12 घंटे के भीतर) में एनएए की 25 मि.ली. और कोबाल्ट क्लोराइड की एक ग्राम मात्रा को 100 लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें। अरहर में निम्न व मध्यम पोटाश स्तर वाली जमीन में 12 कि.ग्रा पोटाश प्रति एकड़ की दर से बिजाई के समय डालें।

खरीफ 2023 कृषि अधिकारी कार्यशाला की कार्यवाही रिपोर्ट का विमोचन करते कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज व अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	16·4·23	4	6-8

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि अधिकारी कार्यशाला की कार्यवाही रिपोर्ट का विमोचन

खरीफ 2023 कृषि अधिकारी कार्यशाला की कार्यवाही रिपोर्ट का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य। • पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार: हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला की कार्यवाही रिपोर्ट का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज द्वारा विमोचन किया गया।

कार्यशाला में खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व उनको बीमारियों से बचाने संबंधी नई शोध व किसानों की समस्याओं पर कृषि अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों व विस्तार शिक्षा विशेषज्ञों ने मंथन किया था। इसके अलावा विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज को बढ़ावा देने और किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने का आह्वान किया, साथ ही सात नई कृषि सिफारिशें भी पारित की गई। कार्यशाला में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. सुमिता मिश्रा आईएएस व महानिदेशक डा. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे। रिपोर्ट को कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के संरक्षण व विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल के मार्गदर्शन में डा. सुबेसिंह, डा. सुरेश कुमार, डा. सुनील ढांडा तथा डा. अश्विनी कुमार ने तैयार किया है। कुलपति ने बताया कि कार्यवाही की रिपोर्ट प्रदेश सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण अधिकारियों को भेज दी गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	15.04.2023		

खरीफ 2023 कृषि अधिकारी कार्यशाला की कार्यवाही रिपोर्ट का विमाचन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ 2023) की कार्यवाही रिपोर्ट का कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज द्वारा विमोचन किया गया। कार्यशाला में खरीफ फसलों की पैदावार बढ़ाने व उनको बीमारियों से बचाने संबंधी नई शोध व किसानों की समस्याओं पर कृषि अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों व विस्तार शिक्षा विशेषज्ञों ने गहन मंथन किया था। इसके अलावा विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज को बढ़ावा देने और किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने का आह्वान किया, साथ ही सात नई कृषि सिफारिशें भी पारित की गई। कुलपति ने बताया कि कार्यवाही रिपोर्ट की कॉपी हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण अधिकारियों को भेज दी गई है ताकि नई सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाकर आगामी खरीफ सीजन में लागू करवाया जा सकें व फसलों की अच्छी पैदावार ली जा सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	16·4·23	6	7-8

शोषित और वंचित समाज को बाबा साहेब ने दिखाया परिवर्तन का रास्ता : डॉ. पवन

एचएयू में आयोजित अंबेडकर जयंती कार्यक्रम में मौजूद कर्मचारी। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। एचएयू के अनुसूचित जाति कर्मचारी संघ कार्यालय में डॉ. आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर डॉ. आंबेडकर के विचारों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि संविधान में वर्णित अधिकारों के दम पर ही शोषित व वंचित समाज को जीवन परिवर्तन का रास्ता मिला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एचएयू के गेहूं एवं जौ विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कहा कि आजाद भारत में सभी जाति व धर्म के लोगों को एक साथ आगे बढ़ने का समान अवसर मिलने से ही शोषित समाज के जीवन में परिवर्तन आया। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि डॉ. सोमवीर निंबल समेत कई प्रमुख लोगों ने संबोधित किया। मंच का संचालन प्रधान राजेश ग्रेवाल ने किया। इस दौरान डॉ. राजेश कठवाल, डॉ. राजेंद्र भूकल, पूर्व प्रधान सुरेश कुमार, पूर्व प्रधान रामपाल, ऑल हरियाणा यूनिवर्सिटी फेडरेशन के अध्यक्ष दिनेश कुमार, दिनेश मांगल, मनोज बंगालिया, राजेश छाछिया, करण सिंह आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	16.4.23	5	2-8

एचएयू ने फसलों के उत्पादन में वृद्धि के लिए सात नई कृषि सिफारिशें पारित की

...ताकि फसलों की अच्छी पैदावार ली जा सके

खरीफ 2023 कृषि अधिकारी कार्यशाला की कार्रवाई रिपोर्ट हुई विमोचित

हिसार। कृषि अधिकारी कार्यशाला की कार्रवाई रिपोर्ट का विमोचन करते कुलपति प्रो. बी.आर कंबोज व अन्य।

सार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी ण सिंह हरियाणा कृषि वविद्यालय में आयोजित दो सीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रीफ 2023) की कार्यवाही र्ट का विश्वविद्यालय के पति प्रो. बी.आर काम्बोज द्वारा चन किया गया। कार्यशाला में फ फसलों की पैदावार बढ़ाने व ो बीमारियों से बचाने संबंधी नई व किसानों की समस्याओं पर अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों स्तार शिक्षा विशेषज्ञों ने गहन किया था। इसके अलावा ज्ञों ने प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज को बढ़ावा देने और किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने का आह्वान किया, साथ ही सात नई कृषि सिफारिशें भी पारित की गई। इस कार्यशाला में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा आईएएस व महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ आईएएस भी मौजूद रहे। इस कार्यवाही रिपोर्ट को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के संरक्षण व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल के मार्गदर्शन में डॉ. सुबेसिंह, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. सुनील ढांडा व डॉ. अश्विनी कुमार ने तैयार किया है। कुलपति ने बताया कि कार्यवाही रिपोर्ट की कॉपी हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण अधिकारियों को भेज दी गई है ताकि नई सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाकर आगामी खरीफ सीजन में लागू करवाया जा सकें व फसलों की अच्छी पैदावार ली जा सकें।

ये स्वीकृत की गई सिफारिशें

बाजरा फसलें से अच्छी पैदावार लेने के लिए 12 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़ + 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति एकड़ + 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट के घोल का छिडकाव बिजाई के 25 से 30 दिन के बीच में एकीकृत प्रयोग सिंचित बिजाई वाले क्षेत्रों के लिए जरूर करें। डेयरी प्रणाली को लाभदायक बनाने के लिए व वर्ष भर हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बहुवर्षीय ज्वार की खेती एक बेहतर विकल्प है। इसकी बीज व जड़ दोनों विधियों से की जा सकती है। बहु-वर्षीय ज्वार एक बार लगाने के बाद चार वर्षों तक लगातार हरा चारा देती है, जिसमें 5 कटाई प्रति वर्ष ली जा सकती है। धान की शीथ ब्लाइट बीमारी को नियंत्रित करने के लिए 150 मि.ली. थाइफ्लुजामाइड 24 एससी (इग्लेयर) को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से पहला छिडकाव बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तथा दूसरा छिडकाव 15 दिन बाद करें। कपास की फसल में हरा तेला एवं सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए एफिडोपायरोपेन (सेफीना) 50 जी/एल डी.सी. की 4.00 मिलीलीटर मात्रा (20 ग्राम क्रियाशील तत्व) को 200-250 लीटर पानी में मिलाकर आर्थिक कगार आने पर प्रति एकड़ छिडकाव करें। बी.टी. कपास से अधिक उत्पादन लेने के लिए बौकी बनने की अवस्था, अधिकतम फूल बनने की अवस्था एवं टिंडे बनने की अवस्था पर सिंचाई या बारिश से पूर्व एवं बाद (12 घंटे के भीतर) में एनएए की 25 मि.ली. और कोबाल्ट क्लोराइड की एक ग्राम मात्रा को 100 लीटर पानी के हिसाब से छिडकाव करें। अरहर में निम्न व मध्यम पोटाश स्तर वाली जमीन में 12 कि.ग्रा पोटाश प्रति एकड़ की दर से बिजाई के समय डालें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	17.4.23	4	1-6

एचएयू में शाम 4 बजे से शुरू होगा दीक्षांत समारोह, एक घंटा पहले पहुंचें

दीक्षांत समारोह में 24 अप्रैल को आएंगी राष्ट्रपति, स्वागत के लिए संवर रहा विश्वविद्यालय, 865 विद्यार्थियों को मिलेंगी डिग्री

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। एचएयू का दीक्षांत समारोह 24 अप्रैल को शाम चार बजे से शुरू होगा। इस समारोह में उपाधि व मेडल पाने वाले सभी 865 विद्यार्थियों को एक घंटे पहले तीन बजे तक अपनी सीट पर पहुंचना अनिवार्य होगा। कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन तैयारियों में जुटा है।

विश्वविद्यालय गेट से लेकर कार्यक्रम स्थल इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम तक तैयारियां चल रही हैं। चौधरी चरण सिंह

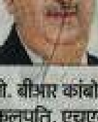

प्रो. बीआर कांबोज
कुलपति, एचएयू

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का 25वां दीक्षांत समारोह 24 अप्रैल को होना है। इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि होंगी। वहीं, राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहरलाल व कृषि मंत्री जेपी दलाल भी मौजूद रहेंगे। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि दीक्षांत समारोह में एक अगस्त 2021 से 30 सितंबर 2022 के दौरान शिक्षा पूरी कर चुके 290 विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन, 447 पोस्ट ग्रेजुएशन एवं 128 को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की जानी है।

इसके अतिरिक्त श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 124 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक भी दिए जाएंगे। इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में होने वाला मुख्य कार्यक्रम शाम चार बजे से शुरू होगा। इसके लिए विद्यार्थियों को दोपहर 3 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के लिए कहा गया है। विद्यार्थियों को पहचान के सत्यापन तथा पूर्वाभ्यास के लिए 23 अप्रैल को प्रातः 10 बजे विश्वविद्यालय में बुलाया गया है। दोपहर 12 बजे से पूर्वाभ्यास कराया जाएगा। इसमें हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों को ही अगले दिन मुख्य कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

समारोह की नियमावली के साथ-साथ राष्ट्रपति व राज्यपाल की मौजूदगी के चलते प्रोटोकॉल का गंभीरता से पालन होगा। विद्यार्थियों के लिए ड्रेस कोड तो निर्धारित ही है, सीट भी तय होगी। किस लाइन में किस सीट पर कौन विद्यार्थी बैठेगा इसका निर्धारण कार्यक्रम से दो दिन पहले ही कर लिया जाएगा।

हैंडबैग, लैपटॉप, पानी की बोतल समेत कई वस्तुएं होंगी प्रतिबंधित

कार्यक्रम में सुरक्षा मानकों का भी पूरा ख्याल रखा जाना है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को जो गाइड लाइन जारी की है, उसमें स्पष्ट किया है कि विद्यार्थी हैंडबैग, लैपटॉप, कैमरा, डिजिटल डायरी, ब्रीफकेस, ट्रांजिस्टर, ज्वलनशील पदार्थ, हथियार, विस्फोटक, चाकू, स्क्रू ड्राइवर, पानी की बोतल, सिगरेट, लाइटर आदि सामान ऑडिटोरियम में लेकर नहीं जा सकेंगे।